क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No.: GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 314, शुक्रवार, 14 दिसम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

262 करोड़ की कर चोरी पकड़ी

नई दिल्ली एजेंसी। वैट विभाग में करीब 262 करोड़ रुपए कर चोरी का मामला प्रकाश में आया है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस पूरे मामले में 13 फर्जी आईडी बनाए गए हैं। यह जालसाजी का मामला है। इस मामले की जांच आर्थिक अनुसंधान शाखा को सौंप दी गई है। जीएसटी कमिश्नर एच राजेश प्रसाद ने इस मामले की छानबीन में पाया कि बैंक द्वारा व्यापारियों को क्रेडिट के रूप में अदा की गई राशि संदेहास्पद है। जांच में पाया गया कि वैट विभाग में पंजीकृत डीलरों ने हेराफेरी की है। यानि इन व्यापारियों ने कर की चोरी कर सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस प्रकार कर की चोरी सितम्बर 2013 से शुरू हुई जो वर्ष 2016, 2017 व 2018 तक लगातार जारी है।

भाजपा की नकारात्मक राजनीति की हार से खुश हूं

नई दिल्ली एजेंसी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत का स्वागत करते हुये कहा है कि उन्हें इस बात की खुशी है कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की नकारात्मक राजनीति पराजित हुई है।श्रीमती गांधी ने बुधवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवालों के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पार्टी को अब लोगों की समस्याओं का समाधान कर उनकी सेवा करनी है और देश के विकास के लिए और प्रभावी ढंग से काम करना है।

पीएम मोदी के जनसभास्थल की तैयारियों का जायजा लेने रायबरेली पहुंचे योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ(Chief Minister Yogi) गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी (Prime Minister Narendra Modi)के जनसभा स्थल का निरीक्षण करने के लिए रायबरेली पहुंचे। योगी ने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के साथ प्रशासनिक अफसरों औ भाजपा नेताओं से चर्चा की। इसके बाद योगी मॉडर्न रेल कोच फैक्टरी को भी देखा। रायबरेली में 16 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के होने वाले कार्यक्रम की तैयारी चल रही है। कार्यक्रम की तैयारी को जायजा लेने के लिए सीएम योगी आज हेलीकॉप्टर से रायबरेली पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहेली बार रायबरेली पहुंच रहे हैं। अधिकारियों से लेकर भाजपा नेताओं तक तैयारियों में लगे हैं। ऐसा मना जा रहा है कि पीएम मोदी जनसभा में छत्तीसगढ़, राजस्थान व मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह भरेंगे। कांग्रेस के गढ़ में पीएम की जनसभा को लेकर इलाके में खासा सरगर्मी है।

चेन्नई में बुधवार को दक्षिण भारत के सुपरस्टार रजनीकांत के जन्मदिन पर केक काटते उनके समर्थक।

यूपी: दुल्हन को लेने हेलीकॉप्टर पर सवार होकर पहुंचा दूल्हा, लोगों की उमड़ी भीड़

संभल जुनावई। बदायूं के समाजवादी पार्टी से जिलाध्यक्ष अपने बेटे की बारात संभल जिले के गुन्नौर कोतवाली इलाके में हेलीकॉप्टर से लेकर पहुंचे। हेलीकॉप्टर से पहुंची बारात को देखने के लिए गांव के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इतना ही नहीं गांव के युवाओं ने हेलीकॉप्टर को न केवल छूकर देखा बल्कि हेलीकॉप्टर के पास खड़े होकर सेल्फी भी खिंचाईं। ग्रामीण इलाकों में भी अब बारात हेलीकॉप्टर से जाने लगी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग शादियों को यादगार बनाने के लिए लोग लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं। बीते दिनों संभल तहसील क्षेत्र में भी एक दूल्हा हेलीकॉप्टर से दुल्हन को घर लाया था। अब संभल जिले के गुन्नौर इलाके में पहली बार हेलीकॉप्टर से बारात पहुंची। समाजवादी पार्टी से गुन्नौर से विधायक रह चुके क्षेत्र के गांव पतरिया निवासी राजेश यादव की बेटी नेहा की शादी बदायूं में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष गांव मानपुर निवासी आशीष यादव के बेटे हिमांशु से तय हुई थी। बुधवार को आशीष यादव बेटे हिमांशु की बारात हेलीकॉप्टर से लेकर पतरिया पहुंचे। गांव में आए हेलीकॉप्टर को देखने के लिए गांव की महिलाएं, बच्चे व युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। बड़ी तादात में गांव की महिलाएं व बच्चे हेलीकॉप्टर को देखने के लिए पहुंचे। लोगों ने हेलीकॉप्टर के पास खड़े होकर सेल्फी भी खिंचाईं।

आया हेलीकाप्टर

बुधवार की शाम चार बजे बदायूं के गांव मानपुर से हेलीकॉप्टर दूल्हा हिमांशु व बारात को लेकर पतरिया पहुंचा और दूल्हा व बारात को छोड़कर लौट गया। बुधवार की रात को हिमांशु व नेहा की शादी हुई। शादी हो जाने के बाद गुरुवार को हेलीकॉप्टर दूल्हा व दुल्हन को लेने के लिए आएगा।

उज़्मीदवारों के समर्थकों में घोषणा से पहले पोस्टर वॉर, कमलनाथ को दे दी बधाइ

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में सीएम के नाम की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उससे पहले ही पोस्टर वार शुरू हो गई है। भोपाल में कांग्रेस मुख्यालय ज्योतिरादित्य सिंधिया और कमलनाथ के समर्थक अपने-अपने नेता के समर्थन में पोस्टर लेकर खड़े है। कमलनाथ के समर्थकों ने तो उन्हें मुख्यमंत्री बनने की बधाई तक दे डाली है। आपको बता दें कि गुरुवार शाम को सीएम के नाम की घोषणा हो सकती है। बुधवार को विधायकों की बैठक हुई थी उसमें केंद्रीय पर्यवेक्षक ए.के एंटोनी मौजूद थे। एंटोनी रात को दिल्ली रवाना हो गए थे और उन्होंने अपनी रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी को सौंप दी। संभावना जताई जा रही है कि विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान होगा।

कांस्टेबल लिखित परीक्षा का नया कट ऑफ जारी होगा

नई दिल्ली एजेंसी। उत्तर प्रदेश भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (uppbpb) जल्द ही कांस्टेबल लिखित परीक्षा का नया कट ऑफ बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट ह्वश्चश्चड्ढश्चड्ढ.द्दश1.द्बठ्ठ पर जारी करेगा। यूपी पुलिस भर्ती के लिए लिखित परीक्षा हो चुकी है और इस परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के डॉकुमेंट्स का वेरीफिकेशन व शारीरिक मानक परीक्षा (PST) शुरू हो चुकी है। लेकिन अब खबर है कि इस भर्ती परीक्षा में सफल हुए कुछ और उम्मीदवारों की जरूरत है ऐसे में भर्ती बोर्ड एक नया कट ऑफ जारी करेगा। यह यह ऑफ यूपीपीबीपीबी की आधिकारिक वेबसाइट पर जल्द जारी किया जाएगा। इसमें जिन उम्मीदवारों का नाम होगा उनके लिए डॉकुमेंट वेरीफिकेशन और PST अलग से आयोजित किया जाएगा।

UP Police Cut-off 2018: पदों के 1.5 गुना उम्मीदवारों को PST व डॉकुमेंट वेरीफिकेशन के लिए बुलाया जा रहा है यूपी पुलिस भर्ती में प्रस्तावित पदों की संख्या के 1.5 गुना अभ्यर्थियों को डॉकुमेंट वेरीफिकेश और शारीरिक मानक परीक्षा के लिए बुलाया जा रहा है। इसी आधार पर कांस्टेबल लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को बुलाया गया था। नए कट ऑफ यानी अतिरिक्त उम्मीदवारों को बुलाए जाने के संबंध में 11 दिसंबर को बोर्ड की वेबसाइट पर निम्नलिखित सूचना प्रकाशित हुई-up police new cut off सूचना आप यहां दिए लिंक पर क्लिक कर पढ़ सकते हैं- Notice for the New Cut Off यूपी पुलिस के 49000 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस भर्ती का विज्ञापन अक्टूबर 2018 प्रकाशित किया गया था। अगली परीक्षा या अन्य अपडेट यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित होगी। इसलिए उम्मीदवारों को चाहिए वह किसी भी प्रमाणिक सूचना के लिए भर्ती बोर्ड की वेबसाइट uppbpb.gov.in को विजिट करते रहें।

हेल्पलाइन नं जारी-

जिन लोगों का अभी शारीरिक मानक परीक्षण और डॉकुमेंट वेरीफिकेशन चल रहा है उनके लिए यूपी पुलिस की वेबसाइट पर यह भी जानकारी दी गई है कि डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन और शारीरिक मानक परीक्षण यानी PST 6 दिसंबर से शुरू होगा। अगर परीक्षा परिणाम संबंधी कोई परेशानी है तो टोल फ्री नंबर - 18002669412 पर फोन करके समस्या का निवारण कर सकते हैं।

शिवराज सिंह चौहान का ऐलान-केंद्र नहीं जाऊंगा

»» एमपी में ही रहूंगा और यहीं मरुंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। 13 सालों तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने वाले बीजेपी नेता शिवराज सिंह चौहान ने ऐलान किया है कि वो केंद्र में नहीं जाएंगे। शिवराज ने कहा, मैं मध्य प्रदेश में रहूंगा और एमपी में ही रहूंगा।

सिर्फ5 सीटों से कांग्रेस से पिछड़ी बीजेपी

बता दें कि प्रदेश में 28 नवम्बर को हुए विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने 114 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की है, जो कि बहुमत के आंकड़े 116 से मात्र दो सीटें कम है। वहीं प्रदेश में पिछले 15 वर्षों से सत्तारुढ़ दल भाजपा 109 सीटें हासिल कर दूसरे स्थान पर रही। प्रदेश में दो सीटों पर बसपा, एक समाजवादी पार्टी और चार पर निर्दलीयों ने विजय दर्ज की है। प्रदेश में कुल 230 विधानसभा सीटें हैं।

किसानों का कर्ज माफकरें राहुल

मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए मंगलवार को हुई मतगणना में भाजपा से हारने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद चौहान ने को बताया, ''कांग्रेस ने अपने 'वचन पत्र में 10 दिन में कर्ज माफी का वचन दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल जी ने कहा था कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के 10 दिन में यदि किसानों को कर्ज माफ नहीं होगा तो हम (कांग्रेस) मुख्यमंत्री बदल देंगे। चौहान ने कहा, ''यह उनका (राहुल गांधी) विषय है। वह तय करें। लेकिन मुझे विश्वास है कि वह उस वादे को जरूर पूरा करेंगे। अपने शासनकाल के दौरान चलाई गई संबल एवं लाडली लक्ष्मी योजना सहित विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने प्रदेश में बनने वाली सरकार से आग्रह किया कि वह इन योजनाओं को ठीक ढंग से चलाए।

हार का जिम्मेदार मैं हूं

उन्होंने कहा, ''अथक परिश्रम करने के बाद भी हमें अपेक्षित सफलता भी प्राप्त नहीं हुई। अगर इस हार के लिए कोई जिम्मेदार है तो शिवराज सिंह चौहान है। मैं हूं। चौहान ने कहा, ''केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बाद भी हम चुनाव हार गये।

दोष मुझमें ही है। कमी मुझमें ही कहीं न कहीं है। मैं इस कसौटी पर खरा नहीं उतर पाया। 'अबकी बार 200 पार पर हम फेल हो गए हैं। जब उनसे सवाल किया गया कि 13 मंत्रियों के हारने में क्या टिकट वितरण में गलती हुई, तो उन्होंने कहा, ''जो भी गलती थी, वह मेरी थी। हम जनता के बीच अपने विकास की योजनाओं को ठीक से नहीं पहुंचा पाये। इसके अलावा, कांग्रेस ने जनता के बीच भ्रम का वातावरण बनाया। जब उनसे सवाल किया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को इस हार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, तो इस पर उन्होंने कहा, ''कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है। यह प्रदेश का मुद्दा है।

2019 में बनेगी बीजेपी की सरकार

उन्होंने कहा कि अब हम सशक्त एवं रचनात्मक सहयोग से विपक्ष की भूमिका निभाएंगे और प्रतिरोध पर चौकीदारी की भी जिम्मेदारी हमारी है।

एक सवाल के जवाब में चौहान ने कहा कि वर्ष 2019 में होने वाले लोकसभा चुनाव में फिर से भाजपा की सरकार बने, यह मेरी मंशा है और इसके लिए हम अभी से तैयारी शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता से असीम स्नेह और प्यार सरकार को विशेष रूप से मुझे मिलता रहा।

उन्होंने कहा,''परिवार का सदस्य बनकर मैंने सरकार चलाने की कोशिश की। मुझे लगता था कि प्रदेश की साढ़े सात करोड़ जनता मेरा परिवार है। उनका सुख मेरा सुख और उनका दुख मेरा दुख है। अपने 13 साल के शासनकाल में मैंने भरसक क्षमता के साथ प्रदेश का विकास करने की कोशिश की।

»» हज यात्रियों के लिए राहत की बात

अब इस डेट तक जमा कर सकते हैं आवेदन

लखनऊ। हज आवेदन करने वालों को राहत देते हुए हज कमेटी ऑफ इंडिया (Haj Committee of India)ने आवेदन जमा करने की आखिरी तिथि 12 से बढ़ा कर 19 दिसम्बर कर दी है। यह जानकारी हज कमेटी ऑफ इंडिया के सदस्य और वाराणसी एम्बारकेशन प्वाइंट के कोआर्डिनेटर डॉ. इफ्तिखार अहमद जावेद ने दी।

डॉ. जावेद ने कहा कि आवेदन की आखिरी तिथि बढ़ाने से प्रदेश के हजारों आवेदकों को राहत मिलेगी। बुधवार तक हज समिति कार्यालय(Haj committee office) में 30 हजार आवेदकों ने अपने आवेदन जमा किये।

पासपोर्ट देने की समय सीमा भी बढ़ाई

हज आवेदन करने वाले आवेदकों के लिए अच्छी खबर है। पासपोर्ट देने की समय सीमा भी अब बढ़ा दी गई है। यह जानकारी हज कमेटी ऑफ इंडिया के सदस्य और वाराणसी एम्बारकेशन प्वाइंट के कोआर्डिनेटर डॉ. इफ्तिखार अहमद जावेद ने दी।

डॉ. जावेद ने हज कमेटी के हवाले से बताया कि हज कमेटी ने आवेदन जमा करने की तिथि बढ़ाने के साथ ही आवेदकों के पासपोर्ट की समय सीमा में भी एक सप्ताह की वृद्धि कर दी है। इससे पहले बुधवार को हज आवेदन जमा करने के अंतिम दिन राज्य हज समिति कार्यालय में आवेदन जमा करने वाले आवेदकों की भीड़ उमड़ पड़ी। बुधवार तक हज समिति कार्यालय में 30 हजार आवेदकों ने अपने आवेदन जमा किये।

डॉ. जावेद ने बताया कि हज यात्रा के लिए अब 19 दिसम्बर तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदक के पासपोर्ट की वैधता कम से कम 31 जनवरी 2020 होनी चाहिए। डॉ. जावेद ने कहा कि आवेदन की आखिरी तिथि बढ़ाने से प्रदेश के हजारों आवेदकों को राहत मिलेगी। हज आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख बढ़ाने पर हज सेवा समिति के अध्यक्ष हाजी वसीम अहमद और महासचिव हाजी मोहम्मद इमरान ने कमेटी का आभार जताते हुए निर्णय का स्वागत किया और कहा कि हज कमेटी के इस फैसले से प्रदेश सहित देश भर के हज यात्रियों का फायदा पहुंचेगा।

दो माह पहले शुरू हुआ हज कार्यक्रम

हज कमेटी ऑफ इंडिया ने इस साल हज कार्यक्रम दो महीने पहले शुरू कर दिया है। कमेटी ने 22 अक्टूबर से हज आवेदन जारी कर दिए थे जबकि 17 नवम्बर तक जमा करने की तिथि थी। कम संख्या में आवेदन देखते हुए हज समितियों ने अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की। आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 17 नवम्बर से बढ़ा कर 12 दिसम्बर कर दी। अंतिम तिथि में वृद्धि के बावजूद आवेदकों की संख्या पिछले वर्ष के बराबर भी नहीं पहुंच सकी। अब एक बार फिर हज कमेटी ने आवेदन जमा करने की तिथि बढ़ा दी है।

विधानसभा चुनाव में हार और लोकसभा चुनाव पर पासवान ने दिया ये बड़ा बयान

नई दिल्ली। एजेंसी भाजपा के सहयोगी दल लोजपा के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने कहा कि कुछ राज्यों में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की हार का आने वाले लोकसभा चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2019 में जीत के लिए सत्ताधारी राजग का नेतृत्व करेंगे। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के अध्यक्ष पासवान ने तीन राज्यों में भाजपा की हार के लिए सत्ता विरोधी लहर को जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि सत्ता विरोधी लहर के बावजूद मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा का वोट शेयर लगभग कांग्रेस के बराबर ही रहा। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस को जीत हासिल हुई। मंगलवार को चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुये दलित नेता पासवान ने कहा, इन परिणामों का लोकसभा चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बरकरार है और मोदी के नेतृत्व में यह 2019 में जीत हासिल कर केंद्र में अपनी सरकार बनाए रखेगा। पासवान ने कहा कि लोकतंत्र में जनता के जनादेश का सदैव सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा कि अब इन तीनों राज्यों में कांग्रेस सत्ता में आई है और उसे वहां काम करना चाहिए। गौरतलब है कि अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले भाजपा को राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़ा झटका लगा है। तीनों राज्यों में उसे विधानसभा चुनावों में पराजय मिली और ये राज्य उसके हाथ से निकल गए।

सबक केंद्रीय मंत्री स्मृति ने किया पलटवार कहा-मेहनतकश लोगों के प्रति मानसिकता सामने आई

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोदी और शाह को चाय बेचते दिखाया

मुंबई ■ एजेंसी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में बीजेपी की करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह का मुखौटा पहनकर उन्हें चाय बेचते हुए दिखाया। इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे बेटी और महाराष्ट्र के शोलापुर से विधायक परिणीति शिंदे भी मौजूद थीं। इस तस्वीर के सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद बुधवार को केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने तीखा पलटवार किया। स्मृति इरानी ने एक ट्वीट के जवाब में ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने करियर की शुरुआत बेहद साधारण तरीके से की थी। आज के इस घमंड भरे जश्न में मेहनतकश लोगों के प्रति वह मानसिकता सामने आ गई जो उनसे नफरत करती है। और अभी 24 घंटे भी नहीं हुए हैं। बता दें कि चुनाव परिणाम आने के बाद राहुल गांधी ने कहा था कि पीएम मोदी के अंदर अहंकार गया है, इसीलिए उन्होंने युवाओं और किसानों की आवाज सुनने से इनकार कर दिया। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि थोड़ा अहंकार आ गया है। मेरा मानना है कि यह किसी नेता के लिए घातक होता है। उनके काम करने के तरीके से मैंने यह बात सीखी है। मेरे लिए इस देश के लोग ही सबसे अच्छे शिक्षक हैं।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 2014 के चुनाव से उन्हें जो सबसे अहम चीज सीखने को मिली, वह 'विनम्रता' है। उन्होंने कहा कि यह एक महान देश है और इस देश में सबसे अहम चीज है कि लोग क्या मानते हैं। बेबाकी से कहूं तो नरेंद्र मोदी जी ने मुझे सबक सिखाया कि क्या नहीं करना चाहिए। पांच साल पहले उन्हें (मोदी को) इस देश में बदलाव लाने का बड़ा मौका दिया गया। दुखद चीज यह है कि उन्होंने देश की धड़कन सुनने से मना कर दिया।

तीन राज्यों में सरकार बनाने जा रही है कांग्रेस

बता दें कि पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में तीन में कांग्रेस पार्टी सरकार बनाने जा रही है। हालांकि उसे मिजोरम में तगड़ा झटका लगा है और तेलंगाना में टीआरएस को बंपर सफलता मिली है। कांग्रेस पार्टी के समक्ष अब सबसे बड़ी चुनौती छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में सीएम चुनने की है।

मुंबई के नौसेना तट पर बुधवार को ''सबमरिन रेसक्यू सिस्टम' के उद्घाटन अवसर पर एडमिरल सुनील लांबा और वाइस एडमिरल गिरीश लूथरा।

संपादकीय

सरकार गठन की प्रक्रिया

चुनाव परिणाम के बाद सरकार गठन की प्रक्रिया आरंभ होती है। तेलंगाना एवं मिजोरम में किसके नेतृत्व में सरकार बनेगी, यह चुनाव के पूर्व ही स्पष्ट था। हिन्दी क्षेत्र के तीन प्रमुख राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान में ऐसा नहीं था। इसलिए वहां नेता का चयन करना सरकार गठन की प्रक्रिया का पहला कदम है। हालांकि तीनों राज्यों में कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बन रही है और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व जिसके सिर पर हाथ रखेगा, वह भले किसी विधायक को अंतर्मन से स्वीकार हो या नहीं कोई विद्रोह करने का दुस्साहस नहीं करेगा। पर ऐसा करते समय उसे तीन बातों का ध्यान रखना है। पहला, जनता से किए हुए वायदे को और जगाई गई अपेक्षाओं को पूरा करना। दूसरा, अगले लोक सभा चुनाव तक नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा का सामना करने की चुनौती और तीसरा, अगले पांच वर्ष तक भाजपा के प्रदेश नेतृत्व के समक्ष मुख्यमंत्री की प्रभावशाली स्थिति बनाए रखना। ये तीनों बातें कांग्रेस के भविष्य की राजनीति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। अगले लोक सभा चुनाव की प्रक्रिया आरंभ होने में ज्यादा समय नहीं है। इसलिए कांग्रेस को कुछ वायदे पूरा करने के लिए त्वरित गति से कदम उठाना होगा। जनता हर बार कुछ अपेक्षाओं के साथ जनादेश देती है। उसकी गहराई को समझना एवं पूरा करना सरकार की जिम्मेवारी होती है। इसलिए उन अपेक्षाओं को समझना भी बड़ी बात है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में दो-दो चेहरे जनता के सामने रहे हैं। उनमें एक-एक वरिष्ठ एवं अनुभवी और दूसरे युवा हैं। राहुल गांधी युवाओं को तरजीह देने की बात करते रहे हैं, पर अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसलिए उनकी चुनौती दोनों के बीच संतुलन बनाए रखने की है। राहुल एवं उनके रणनीतिकारों की नजर भी लोक सभा चुनाव पर है। उसका कुछ एजेंडा साफहो चुका है। ये तीन सरकारें अगले लोक सभा चुनाव में उसके प्रदर्शन के आधार होने वाले हैं। उसे जनता को बताना होगा कि जिन मुद्दों पर उनने भाजपा सरकार की आलोचना की है, उन पर वह किन मायनों मे भिन्न हैं। राज्य सरकार उस दिशा में काम करती दिखे, इसके लिए उसे खुद मोर्चा संभालना होगा। भाजपा भी जानती है कि छत्तीसगढ़ को छोड़कर उसकी हार बड़ी नहीं है। उसके सामने भी तात्कालिक लक्ष्य 2019 का लोक सभा चुनाव है। विपक्ष में जाने के बाद बोलना आसान हो जाता है। हम यही चाहेंगे कि पार्टियों को चुनाव के लिए जो राजनीति करनी है करें, लेकिन सरकार सुशासन की कसौटियों पर खरी उतरे।

चिंता का सबब

राजधानी दिल्ली में 24 घंटे के भीतर रोडरेज में दो युवकों की हत्या वाकई चिंता का सबब है। पहले यमुनापार के मयूर विहार इलाके में और उसके बाद शाहदरा के गीता कॉलोनी में गाड़ियों के छू जाने पर मनबढ़ लड़कों का गुस्सा इस कदर भड़का कि उन्होंने ताबड़तोड़ फायरिंग कर सामने वाले की जान ले ली। हाल के वर्षों में दिल्ली में रोडरेज के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है।

आंकड़े भी इस तय की तस्दीक करते हैं। हाल यह है कि देश में सड़कों पर मारपीट और जान लेने की घटनाओं में रोजाना औसतन तीन लोगों की मौत हो रही है। 2016 के आकंड़ों की बात करें तो उस साल रोडरेज के कुल 1643 मामलों में 788 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 1863 जख्मी हुए थे। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक रोडरेज की घटनाओं की तादाद के मामले में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, केरल और उत्तर प्रदेश शीर्ष पांच राज्यों में शुमार हैं।

देश में रोडरेज के कुल मामलों की तादाद करीब 5 लाख पहुंच गई है। और यह सालाना दस फीसद की दर से बढ़ रही है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि मसला कितना गंभीर है? ऐसा कैसे हो सकता है कि सड़कों पर एक-दूसरे के वाहन टकराएंगे नहीं या टच नहीं करेंगे? ऐसी घटनाओं को नजरअंदाज करना ही समझदारी है। अगर मामूली सी बात पर कोई किसी को जान से मार देगा तो सरकार के इकबाल का क्या? हालांकि इस बात में पूरी सचाई है कि भले लोगों के पास पैसा काफी हो गया है मगर उनमें सहिष्णुता की घोर कमी है। किसी के पास न तो धैर्य है और न समझदारी। इस बात से कौन इनकार कर सकता है कि दिल्ली के साथ ही तमाम शहरों में गाड़ियों की संख्या तेजी से बढ़ी है, मगर सड़कों का अतिक्रमण उससे दोगुनी गति से बढ़ा है। साथ ही आधारभूत ढांचे का भी अभाव है। ड्राइवरों में बढ़ती असिहष्णुता भी ऐसे मामले बढ़ने की प्रमुख वजह है। सरकार के लिहाज से उनकी विफलता इस मायने में अहम है कि कैसे लोग हथियारों के साथ सड़कों पर घूमते हैं। उन्हें अपने मुखबिर तंत्र को ज्यादा पैना बनाना होगा। साथ ही ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर सजा व जुर्माने के प्रावधानों को पहले के मुकाबले सख्त बनाकर ही ऐसी वारदातों पर कुछ हद तक काबू पाया जा सकता है।

सत्संग

विज्ञान

''इस संसार में ईर नाम की कोई वस्तु नहीं, उसका अस्तित्व प्रत्यक्ष उपकरणों से सिद्ध नहीं होता।' अनीश्वरवादियों की मान्यता है कि जो कुछ प्रत्यक्ष है, जो कुछ विज्ञान सम्मत है, केवल वही सत्य है। चूंकि वैज्ञानिक आधार पर ईर की सत्ता का प्रमाण नहीं मिलता, इसलिए उसे क्यों मानें? सच बात यह है कि विज्ञान का अभी अत्यल्प विकास हुआ है। कुछ समय पहले तक भाप, बिजली, पेट्रोल, एटम, ईथर आदि की शक्तियों को कौन जानता था, पर जैसे-जैसे विज्ञान में प्रौढ़ता आती गई, ये शक्तियां खोज निकाली गई। ईर अप्रमाणित नहीं है। हमारे साधन ही स्वल्प हैं, जिनके आधार पर अभी उस तत्व का प्रत्यक्षीकरण संभव नहीं हो पा रहा है। पचास वर्ष पूर्व जब साम्यवादी विचारधारा का जन्म हुआ था, वैज्ञानिक विकास बहुत स्वल्प मात्रा में हो पाया था। पर अब तो बादल बहुत कुछ साफहो गए हैं। वैज्ञानिक प्रगति के साथ-साथ मनीषियों के लिए चेतन सत्ता का प्रतिपादन कुछ कठिन नहीं रहा है। आधुनिक विज्ञानवेत्ता ऐसी संभावना प्रकट करने लगे हैं कि निकट भविष्य में ईर का अस्तित्व वैज्ञानिक आधार पर भी प्रमाणित हो सकेगा। सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक रिंचडसन ने लिखा है-''विश्व की अगणित समस्याएं तथा मानव की मानसिक प्रक्रियाएं वैज्ञानिक साधनों, गणित तथा यंत्रों के आधार पर हल नहीं होतीं। भौतिक विज्ञान से बाहर भी एक अत्यंत विशाल दुरूह अज्ञात क्षेत्र रह जाता है, जिसे खोजने के लिए कोई दूसरा साधन प्रयुक्त करना पड़ेगा। भले ही उसे अध्यात्म कहा जाए या कुछ और।' वैज्ञानिक मैकब्राइट का कथन है-''विश्व के परोक्ष में किसी ऐसी सत्ता के होने की पूरी संभावना है, जो ज्ञान और इच्छायुक्त हो। विज्ञान की वर्तमान इस मान्यता को बदलने के लिए हमें जल्दी ही बाध्य होना पड़ेगा कि-''विश्व की गतिविधि अनियंत्रित और अनिश्चित रूप से स्वयंमेव चल रही है।' विज्ञानवेत्ता डॉ. मोर्डेल ने लिखा है-''विभिन्न धर्म संप्रदायों में ईर का जैसा चितण्रकिया गया है, वैसा तो विज्ञान नहीं मानता। पर ऐसी संभावना अवश्य है कि अणु-जगत के पीछे कोई चेतन शक्ति काम कर रही है। अणु-शक्ति के पीछे उसे चलाने वाली एक प्रेरणा शक्ति का अस्तित्व प्रतीत होता है। इस संभावना के सत्य सिद्ध होने से ईर का अस्तित्व भी प्रमाणित हो सकता है।

''सबका साथ, सबका विकास'

लोकतंत्र में संवाद और जनमत निर्माण के लिए बने जनसंचार माध्यम के बुनियादी मूल्यों को ही बदल दिया। जनसंचार माध्यम सत्ता से नहीं, विपक्ष से सवाल पूछने लगे और समाज के विवेक को जगाने की बजाय उसमें प्रतिशोध की भावना भरने लगे। यह बात कठिन चुनाव की ऊब चूब से निकले कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में मोदी को धन्यवाद देते हुए स्वीकार की। विडंबना देखिए कि ''सबका साथ, सबका विकास' का नारा देकर सत्ता में आए मोदी ने न सिर्फअपने उद्देश्य के विरु द्ध काम किया बल्कि पिछले सत्तर सालों में देश में पैदा हुई वैज्ञानिक सोच और सद्भाव के माहौल को बिगाड़ने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। राजनीतिक विमर्श को मजाक बनाकर रख दिया।

सतीश पेडणोकर

राज्यों के विधानसभा चुनावों में चार राज्यों के सत्ता परिवर्तन से लोकतंत्र की अटकी हुई सांस वापस लौट आई है। हिन्दी इलाके में कांग्रेस को मिली कठिन जीत ने बता दिया है कि मेहनत की जाए तो कट्टरता, क्रूरता और भीड़तंत्र की बीमारी से ग्रसित लोकतंत्र स्वस्थ हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2014 में ताजी बयार लेकर आए थे और किसी विचार या दायरे में न सोचने वाले व्यापक समाज को लगा था कि अच्छे दिन आएंगे। लेकिन वे और उनकी पार्टी चुनावी जीत और दीर्घकाल तक शासन करने की महत्त्वाकांक्षा में इतने खो गए कि अपने मूल उद्देश्य से ही भटक गए। उनकी पार्टी के अध्यक्ष से लेकर प्रवक्ताओं तक पर अहंकार हावी होता गया। उन्होंने लोकतंत्र में संवाद और जनमत निर्माण के लिए बने जनसंचार माध्यम के बुनियादी मूल्यों को ही बदल दिया। जनसंचार माध्यम सत्ता से नहीं, विपक्ष से सवाल पूछने लगे और समाज के विवेक को जगाने की बजाय उसमें प्रतिशोध की भावना भरने लगे। यह बात कठिन चुनाव की ऊब चूब से निकले कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में मोदी को धन्यवाद देते हुए स्वीकार की। विडंबना देखिए कि ''सबका साथ, सबका विकास' का नारा देकर सत्ता में आए मोदी ने न सिर्फअपने उद्देश्य के विरु द्ध काम किया बल्कि पिछले सत्तर सालों में देश में पैदा हुई वैज्ञानिक सोच और सद्भाव के माहौल को बिगाड़ने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। राजनीतिक विमर्श को मजाक बनाकर रख दिया। इस बात की होड़ होने लगी कि कौन ज्यादा कट्टर बात कहेगा और कौन चौबीसों घंटे सातों दिन समाज को ध्रुवीकृत करके अगला चुनाव जीतने की योजना में लगा रहेगा। मोदी, अमित शाह तो एक दूसरे से होड़ कर ही रहे थे और गिरिराज सिंह उनसे संगत बिठाते रहते थे, लेकिन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें पीछे छोड़ते नजर आए। चैनलों पर चलने वाली बहसों ने या तो महापुरुषों के दंगल का आख्यान रचा या फिर धर्म की अधार्मिक व्याख्या का वितान खड़ा किया। लेकिन जनता ने इन तमाम भटकाओं और त्रेता युग में लौटने के आकर्षण के बावजूद तीन राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा को हराकर दिखाया है कि अभी भी उसकी रोजी-रोटी का सवाल अहम है। उसे गाय, गीता और गंगा के नकली आख्यान से दबाया नहीं जा सकता। गाय की पूजा हमें क्रूरता से दूर संवेदनशील मनुष्य बनने की प्रेरणा देती है। मगर हम जब गाय के लिए मनुष्य को मारते हैं, तो मानवता को खोकर हिंसक पशु बन जाते हैं। गाय किसानों के लिए उपयोगी जानवर है, न कि उनकी फसल नष्ट करने वाली समस्या। आज गोवंश की भूमिका दूसरी वाली हो गई है। इसी तरह गीता हमें निष्काम कर्म की शिक्षा देती है। वे लोग भला कैसे गीता को मानने वाले कहे जा सकते हैं, जो सत्ता के लिए हर प्रकार के निम्नस्तरीय विमर्श खड़ा करते हैं। निश्चित तौर पर आजाद देश के लोकतंत्र के भीतर लड़े जाने वाले चुनाव साधन की पवित्रता की अनिवार्यता की ज्यादा मांग करते हैं। इसी तरह गंगा के उपासक तो प्रोफेसर जीडी अग्रवाल जैसे लोग कहे जाएंगे जो उसे शहरीकरण और उद्योगीकरण से बचाने के लिए अपनी जान दे देते हैं न कि वे जो गंगा का भावनात्मक दोहन करके सत्ता तक पहुंचते हैं। कांग्रेस ने अपने अध्यक्ष राहुल गांधी को पूजा-पाठ और धर्म का चोला पहना कर सत्ता में वापसी का कार्यक्रम बनाया। लेकिन चुनाव परिणाम के बाद राहुल ने रोजगार, किसानों के संकट और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर आख्यान को बदलने का संकेत दिया है। इस सोच और कार्यक्रम से राहुल न सिर्फ मोदी के विकल्प के तौर पर उभरते दिख रहे हैं, बल्कि अराजकता के माहौल में एक व्यवस्था की बयार का अहसास दिलाते हैं। वे आधुनिक हैं। पारंपरिक बनकर जनमानस से जुड़ने में लगे हैं। कांग्रेस के सामने चुनौती है कि हिंदी इलाके में गांधी जैसा हिंदू बनकर कैसे काम करे। समान धर्म संगठनों और पार्टियों को महज सीटों और पदों से ऊपर उठकर व्यापक गठबंधन के लिए कैसे तैयार करे। महात्मा गांधी की डेढ़ सौवीं जयंती पर उनकी विरासत का दावा करने वाली पार्टी के लिए यह बड़ी चुनौती है। राहुल का यह कहना इस मायने में उम्मीद जगाता है कि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की विचारधारा से कांग्रेस का मौलिक मतभेद नहीं है। वे गठबंधन के लिए बहुत खुले थे लेकिन वह हो न सका यानी कांग्रेस अपने भीतर सामाजिक परिवर्तन और समाजवाद को शामिल करने के लिए तैयारी कर रही है। मंडल और भूमंडल की यह छतरी तेजी से उभर रहे कमंडल के हमले से लोकतंत्र और संविधान को कितना बचा पाएगी, यह समय बताएगा। लेकिन राहुल, अखिलेश और मायावती के साथ मिलकर अगर संकल्प ले लें तो सफलता जरूर मिलेगी। मायावती और अखिलेश यादव की दिक्कत है कि राष्ट्रीय विमर्श खड़ा करने से घबराते हैं, जबकि राहुल तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद उसे खड़ा करने में रुचि रखते हैं। यह कांग्रेस के लिए शुभ संकेत है, तो देश के लिए भी। चुनाव परिणामों ने कांग्रेस को इतना बड़ा मौका नहीं दिया है कि घमंडी हो जाए। जनता ने उसे आत्मविास दिया है और भविष्य की राह दिखाई है। बताया है कि लोकतंत्र विकल्पहीन नहीं होता। भारतीय जनता के पास विकल्प फेंकने की अद्भुत क्षमताएं हैं, जिनका वह समय-समय पर प्रदर्शन करती है। अच्छी बात है कि कांग्रेस और उसके अध्यक्ष विपक्षी एकता के लिए दृढ़ दिखते हैं। विनम्रता दिखाते हुए कहते हैं कि विपरीत विचारधारा से लड़कर उसे हराना चाहते हैं, लेकिन किसी को देश से मिटाना नहीं चाहते। निश्चित तौर पर संघ के लोकतंत्रीकरण और भाजपा के विवेकीकरण में ही देश का उद्धार है। कहने के लिए ही इस हार में प्रदर्शित प्रधानमंत्री की विनम्रता कांग्रेस के प्रभाव से ही उत्पन्न हुई है। आजकल एयर प्यूरीफायर का वह विज्ञापन काफी याद करने लायक है, जिसमें पति, पत्नी की इच्छा को ठीक से न समझते हुए घर पर सास को ले आता है, जबकि पत्नी कहती है कि ठीक से सांस नहीं आ रही है। हमारे लोकतंत्र की सांस लौटी है, और उसे लगातार शुद्ध करने की जरूरत है। कांग्रेस का दायित्व है कि दूसरे दलों को साथ लेकर लोकतंत्र की वायु को शुद्धकरे। भारतीय जनमानस खुली और साफ हवा में सांस लेना चाहता है। उसे हर चुनाव में एयरप्यूरीफायर चाहिए न कि नये किस्म का जानलेवा प्रदूषण।

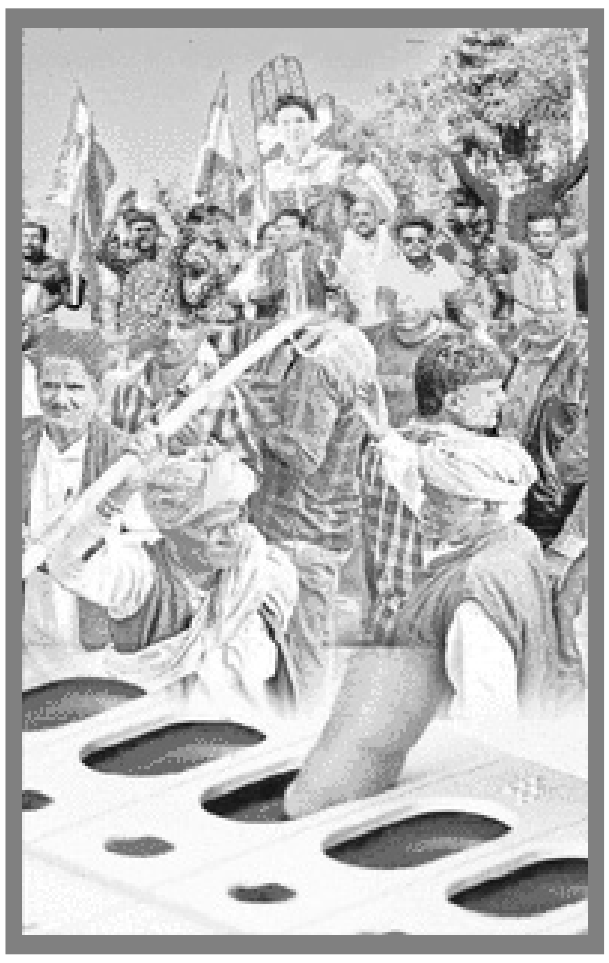

चलते चलते

हार जीत की अहमियत

अपनी हार को जानकर और समझकर भी अपनी अहमियत और कद्रदानी को बनाए रखते हैं, और उन्हें थपकियां तथा शाबाशियां भी मिलती रहती हैं। इसलिए चुनाव प्रक्रिया के सीमित होने में किसी का फायदा नहीं। अर्थव्यवस्था में इसका कोई योगदान नहीं रहता।

चुनाव होते हैं कोई जीता, कोई हारा, के रूप में, जो बस इतने तक सीमित रहता है कि भाई अखाड़े में दो पहलवान लड़ेंगे तो एक तो जीतेगा ही। पर यह ऐसा अखाड़ा है, जिसमें कई पहलवान होते हैं, और इनमें कई तो अपनी हार को जानकर और समझकर भी अपनी अहमियत और कद्रदानी को बनाए रखते हैं, और उन्हें थपकियां तथा शाबाशियां भी मिलती रहती हैं। इसलिए चुनाव प्रक्रिया के सीमित होने में किसी का फायदा नहीं। अर्थव्यवस्था में इसका कोई योगदान नहीं रहता। इससे ट्वेंटी फॉर सेवन के खबरिया चैनलों का पेट नहीं भरा जा सकता। इसलिए अब चुनावों को कोई जीता, कोई हारा की बजाय कौन जीता, कौन हारा की अनंत बहस का रूप दे दिया गया है। इसका फायदा होता है कि सब्रे दिखाए जाते रहते हैं, चैनलों पर डिबेट होती रहती है। यह एक पूरा उद्योग है। दूसरे उद्योगों को बचाने के लिए और मजदूरों का पेट भरने के लिए तो चाहे कुछ न किया जाता हो पर इस उद्योग को बचाने के लिए सारे दंद-फंद चलते रहते हैं। इसलिए अब चुनावों में जीतने वाला तो जीतता ही है, हारने वाला भी हारता नहीं। जैसे सब्रे एजेंसियां हैं, जो राजनीतिक पार्टियों को जिताने-हराने का खेल रचती हैं, वे कहां हारती हैं बताइए? खबरिया चैनल कहां हारते हैं बताइए? बल्कि उनकी तो टीआरपी बढ़ जाती है, इश्तहार बढ़ जाते हैं, कमाइयां बढ़ जाती हैं, बल्कि वे तो एक चुनाव खत्म होते ही उससे अगले दूसरे चुनाव की पृष्ठभूमि रच देते हैं। अभी आपने सेमीफाइनल देखा, अब फाइनल देखिए। दो-दो, चार-चार सीटें लेने वाले भी कहां हारते हैं, पता नहीं जीतने वालों को कब उनकी जरूरत पड़ जाए। बल्कि कई बार तो वे जीतने वालों से भी ज्यादा जीतते हैं। हारने वाले भी आखिर तक इस पर टकटकी लगाए बैठे रहते हैं कि पता नहीं कब उनके भागों छींका टूट गिरे। कांग्रेस जब हारती थी तो बेचारे राहुल गांधी को भी उसके साथ हारना पड़ता था। पर अब जब कांग्रेस जीत गई है, तो राहुल को डबल जीतने का तो क्या सवाई जीत का श्रेय भी नहीं मिल रहा। फिर बताइए मोदी जी कहां हारे? हालांकि भाजपा हार गई। पर मोदी जी अभी भी जीते हुए हैं। हारी होगी भाजपा, हारी होंगी भाजपा की सरकारें, पर मोदी जी नहीं हारे हैं। बल्कि वे तो अब जीतने के लिए तैयार हो रहे हैं।

फोटोग्राफी...

उत्तरी आइसलैंड के भू-तापीय प्राकृतिक झील पर स्नान कर रहे बच्चों का ''फादर क्रिसमस' बन कर मनोरंजन करता एक स्थानीय कलाकार।

विरोधी केंद्रों में सामूहिक बंदी

सदियों में खाने व पानी की जबरदस्त बर्बादी होती है, यह किसी से छिपा नहीं है। अपने समाज में शादियों में बढ़-चढ़ कर तमाशा होता है, जबकि लाखों लोगों को अभी भी दो वक्त का भरपेट खाना नसीब नहीं है। सुप्रीम कोर्ट जानना चाहता है, सरकार के पास ऐसे मामलों से निपटने के लिए क्या प्लान है। कोर्ट ने कहा, मोटल और फार्म हाउस में जहां पार्टी होती है, वहां मालिकों के कमर्शियल इंट्रेस्ट सरकार के लिए पब्लिक इंट्रेस्ट से ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। पहली नजर में रसूखदार और अमीर लोगों के प्रति सरकार का झुकाव दिखता है। जस्टिस बी लोकुर की अगुवाई वाली बेंच ने कहा, समय आ गया है कि सरकार की संबंधित अथॉरिटी फॉर्म हाउस और मोटल मालिक से ज्यादा पब्लिक इंट्रेस्ट को तरजीह दे। अदालत को बताया गया कि दिल्ली में 300 हॉल हैं जबकि दिल्ली में शादी के सीजन में एक-एक दिन में 30 से 50 हजार शादियां होती हैं। शादियों के मामले में अपना पूरा समाज समान सोच रखता है। मोटल के वकील ने बताया उनके पास एक लाख लीटर का अंडरग्राउंड टैंक है। फायर विभाग उसे 1. 27 लाख लीटर की कैपेसिटी का करने को कहता है। इस पर कोर्ट ने सवाल किया कि सभी मोटल मालिकों द्वारा यदि एक-एक लाख लीटर पानी स्टोर किया जाता है, तो दिल्ली के लोगों के लिए पानी नहीं होगा। हमें बताएं 50 हजार शादियों में कितना खाना और पानी बर्बाद किया जाता है। अभी-अभी, जबकि देश भर में रणवीर सिंह-दीपिका पादुकोण व प्रियंका चोपड़ा-निक की तामझाम भरी शादी के आयोजनों को बढ़-चढ़ कर सराहा जा रहा है, एक विवाह का तरह-तरह से घूम-घूम कर स्थान-स्थान पर भव्य आयोजन हो रहा है, तो जरूरतमन्द और भूखे देशवासियों के हित में यह सवाल लाजिमी है।बड़ी-विशाल शादियों में होने वाली खाने-पानी की बर्बादी से जिम्मेदारान पदों पर बैठे लोग व नीति-निर्धारक अच्छी तरह वाकिफहैं। चूंकि इस तरह के आयोजनों के वे स्वयं भी हिमायती हैं, इसलिए जानबूझकर मुंह फेर लेते हैं। फोर्ब्स की दुनिया भर की सबसे ताकतवर औरतों की सूची में शामिल चोपड़ा पर्यावरण बचाव के पक्ष में विज्ञापन करती हैं जिसमें देशवासियों से पटाखामुक्त त्योहार मनाने की गुजारिश करती हैं। लेकिन ज्यों ही मसला स्वयं का आता है, सारी संवेदनशीलता स्वाहा हो जाती हैं। देश में हर आठवीं मौत जहरीली हवा से हो रही है। 2017 में 12.4 लाख लोगों की मौत प्रदूषण के कारण हुई। देश भर में प्रदूषण के कारण लोगों की उम्र 1.7 साल कम हो रही है।

राजस्थानवासियों की सबसे ज्यादा 2.5 साल उम्र कम हो रही है। उप्र वाले 2.2 व हरियाणावासियों की 2.1 कम हो रही है। दिल्ली वालों की उम्र 1.6 वर्ष कम हो रही है। दिल्ली में घर के भीतर होने वाला प्रदूषण जीरो पाया गया क्योंकि यहां लोग एलपीजी गैस में बनाते हैं। राजस्थान, उप्र, छत्तीसगढ, मप्र, बिहार में हाउसहोल्ड प्रदूषण बहुत मिला क्योंकि उपलों, लकड़ियों, सॉलिड वेस्ट का जलावन के रूप में प्रयोग होता है जिसका खमियाजा औरतें, बच्चे और बूढों को भरना पड़ता है।

विवाहादि विशाल आयोजनों में प्रस्तुत किए जाने वाले सैकड़ों लजीज पकवानों में प्रयोग होने वाले जलावन व उससे उठने वाले भंयकर धुएं के बारे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। हमारे देश में युवाओं की फौज है और आधे से ज्यादा देशवासी 30 वर्ष से कम उम्र के हैं। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसे गंभीर मसलों पर चिंतन और उचित कदम उठाने की जरूरत है।

सार समाचार

यरुशलम की ओल्ड सिटी में इजराइली बलों पर चाकूओं से हमला : पुलिस

यरुशलम। यरुशलम की ओल्ड सिटी में एक हमलावर ने बृहस्पतिवार को सीमा पर तैनात दो इजराइली पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमला कर दिया। हालांकि बाद में पुलिस ने हमलावर को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी। हमला यरुशलम के लोकप्रिय स्थान पर हुआ है। घटना इजराइल-फिलस्तीनी संघर्ष में हिंसा में बढ़ोतरी की आशंका के दौरान हुई है। गोलीबारी कर हमला करने के आरोपी दो फिलस्तीनियों को वेस्ट बैंक में अलग-अलग घटनाओं में मार गिराया गया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह में यरुशलम में गोली लगने के कारण घायल हुये दोनों पुलिस अधिकारी खतरे से बाहर हैं। प्रवक्ता ने हमलावरों की पहचान का कोई ब्यौरा मुहैया नहीं कराया है। यरुशलम का ओल्ड सिटी फिलस्तीन और इज़राइल को अलग करता है लेकिन इस पर इजराइलियों का नियंत्रण है।

चीन पुलिस ने हिरासत में लिया कनाडा का उद्यमी, बताया राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा

टोरंटो/बीजिंग। कनाडा के एक और व्यक्ति को चीन में हिरासत में लिए जाने की आशंका है. इसे कनाडा द्वारा चीन की कंपनी हुवावेई की शीर्ष अधिकारी को गिरफ्तार किए जाने के बदले की कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है. इससे पहले इस हफ्ते की शुरुआत में ही कनाडा के एक पूर्व राजनयिक को भी चीन में हिरासत में लिया गया. इस बीच, बीजिंग से मिली खबर के अनुसार चीन ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए 'खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों' में शामिल होने के संदेह पर दो कनाडाई नागरिकों से पूछताछ की जा रही है. चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लू कांग के अनुसार कनाडा के पूर्व राजनयिक माइकल कोवरिग और कारोबारी सलाहकार माइकल स्पावोर को सोमवार को हिरासत में लिया और इसे अनिवार्य बताया. हालांकि उन्होंने हिरासत के बारे में कुछ स्पष्ट जानकारी नहीं दी. उल्लेखनीय है कि कनाडा के वैश्विक मामलों के विभाग ने बुधवार को कहा कि माइकल स्पावोर नाम का एक उद्यमी चीन में लापता है. वह पश्चिमी देश से संबंध रखने वाले उन चुनिंदा नागरिकों में से हैं जिन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से मुलाकात की है. स्पावोर के लापता होने से पहले चीन में इस हफ्ते की शुरुआत में कनाडा के एक पूर्व राजनयिक को भी हिरासत में लिया गया था. प्रवक्ता गिलायूम बरयूब ने कहा, '' हम स्पावोर के साथ संपर्क नहीं कर पा रहे हैं. इससे पहले, उन्होंने हमें जानकारी दी है कि चीनी अधिकारियों ने उनसे पूछताछ की.'' उन्होंने कहा कि स्पावोर का पता लगाने का हम पूरा प्रयास कर रहे हैं और हम इस मामले में लगातार चीन सरकार से संपर्क बनाए हुए हैं.

अंकारा : पटरी पर खड़े रेल इंजन से जा टकराई तेज रफ्तार ट्रेन, नौ लोगों की मौत, 47 घायल

अंकारा। तुर्की की राजधानी अंकारा में बृहस्पतिवार को एक तेज रफ्तार ट्रेन ने स्टेशन पर रेल इंजन को टक्कर मार दी. इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि 47 लोग घायल हो गए हैं. परिवहन मंत्री कहित तुरहान ने संवाददाताओं को बताया कि मारे गए लोगों में तीन ट्रेन ऑपरेटर थे. उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति की अस्पताल में मौत हो गई. तुरहान ने कहा कि 47 लोग घायल हुए हैं. सभी का इलाज चल रहा है. हुर्रियत अखबार के अनुसार, तेज रफ्तार ट्रेन अंकारा के मुख्य स्टेशन से केन्द्रीय प्रांत कोन्या जा रही थी. ट्रेन में 206 यात्री सवार थे. इससे पहले अंकारा के गवर्नर कार्यालय ने बताया था कि घायल हुए कुल 46 लोगों में से तीन की हालत गंभीर है.

ब्रिटेन में ब्रेक्जिट पर महासंग्राम: पीएम टेरीजा की कुर्सी तो बच गई लेकिन आगे की राह आसान नहीं

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री टेरीज़ा मे ने ब्रेक्जिट मुद्दे पर एक बड़ी बाधा को पार कर लिया है। टेरीज़ा ने कंज़र्वेटिव पार्टी के नेता के तौर पर विश्वास मत हासिल कर लिया है। बुधवार को हुए मतदान में टेरीज़ा के पक्ष में 200 जबकि विपक्ष में 117 वोट पड़े। टेरीज़ा के नेतृत्व को लेकर ये अविश्वास मत ऐसे समय आया है, जब ब्रेक्जिट फ़ैसले को लागू होने में तीन महीने का वक़्त बचा है। उधर, इस संकट को देखते हुए टेरीज़ा ने अपनी आयरलैंड की यात्रा को ऐन मौके पर रद कर दिया। उन्हें आयरलैंड की राजधानी डबलिन में वहाँ के प्रधानमंत्री लियो वराडकर से मिलना था।

निचले सदन में टेरीज़ा के जीत के मायने

संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ़ कॉमंस) में टेरीज़ा ने भारी मतों से जीत हासिल की है। इस जीत से यह साफ हो गया कि टेरीजा को अपनी पार्टी और सदन में भारी समर्थन हासिल है। इसका मतलब यह है कि पार्टी के अंदर अगले एक साल तक टेरीज़ा मे के नेतृत्व को चुनौती नहीं दी जा सकेगी। इस जीत के बाद टेरीजा प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बनीं रहेंगी। बता दें कि भारत की तरह ब्रिटेन में भी संसदीय व्यवस्था है। इस व्यवस्था में सत्ता प्रधानमंत्री के इर्दगिर्द घूमती है। प्रधानमंत्री तब तक अपनी कुर्सी पर रहता है जब तक उसे अपने दल का समर्थन और निचले सदन में बहुमत हासिल होता है।

पार्टी में विश्वास खोने का मतलब

ब्रेक्जिट मुद्दे पर टेरीज़ा यदि पार्टी के सांसदों का विश्वास मत हार जाती हैं, तो उनको प्रधानमंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ सकता था। ऐसे में उनको कंज़र्वेटिव पार्टी के नेता के रूप में भी इस्तीफा देना पड़ता। कंज़र्वेटिव पार्टी के उपनेता डेविड लिडिंगटन को इसकी जिम्मेदारी मिल सकती थी। या पार्टी में नए नेता का चुनाव कराना पड़ता। इसमें वह उम्मीदवार नहीं हो सकतीं थीं। बता दें कि ब्रेक्जिट नीति से नाराज़ उनकी पार्टी के 48 सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। इन सांसदों का कहना था कि 2016 में हुए जनमत संग्रह के पक्ष में मतदान करने वाले लोगों की उम्मीदों पर टेरीज़ा में खरी नहीं उतरीं। लेकिन इस अविश्वास से यह तय हो गया कि पार्टी में उनकी स्थिति कहीं न कहीं कमजोर हुई है।

पार्टी ने टेरीजा पर जताया विश्वास : टेरीजा मे की कंजरवेटिव पार्टी के हाउस ऑफ कॉमंस के सदस्यों की प्रभावशाली संस्था 1922 कमेटी के सामने पार्टी के 48 सांसदों ने मे के नेतृत्व में अविश्वास जताते हुए पत्र लिखा है। 48 सांसदों द्वारा इस तरह का पत्र देने के बाद नेतृत्व के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। बता दें कि संसद के निचले सदन में कंजरवेटिव पार्टी के 315 सदस्य हैं, अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ जीत के लिए टेरीज़ा को कम से कम 158 सदस्यों के समर्थन की जरूरत थी। 48 सांसदों द्वारा इस तरह का पत्र देने के बाद नेतृत्व के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। यानी इस प्रसताव के लिए 48 सांसदों के हस्ताक्षर युक्त पत्र की जरूरत होती है। इस पर सदन में वोटिंग होती है।

ब्रेक्जिट मुद्दे पर 23 जून, 2016 को हुआ जनमत संग्रह : बता दें कि ब्रिटेन में ब्रेक्जिट मुद्दे पर 23 जून, 2016 को जनमत संग्रह हुआ था, जिसमें ब्रिटेन के मतदाताओं ने यूरोपीय यूनियन से अलग होने के पक्ष में मतदान किया था। टेरीज़ा मे इस जनमत संग्रह के कुछ ही समय बाद प्रधानमंत्री बनी थीं और 29 मार्च, 2017 को उन्होंने ब्रेक्जिट की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। टेरिजा की ब्रेक्जिट योजना की उनकी पार्टी के भीतर ही आलोचना हो रही है। यूरोपीय यूनियन के क़ानून के तहत ब्रिटेन को ठीक दो साल बाद यानी 29 मार्च 2019 को यूरोपीय यूनियन से अलग हो जाना पड़ेगा।

क्या है ब्रेक्जिट : ब्रेक्जिट , ब्रिटेन और एक्ज़िट शब्द से मिलकर बना एक शब्द है, जिसका इस्तेमाल ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से बाहर जाने के लिए किया जाता है। यह बिल्कुल उसी तरह जैसे पहले ग्रीस के यूरोपीय संघ छोड़ने की बात उठी तो ग्रिक्सिट शब्द बना था। ब्रिटेन में 23 जून 2016 को इस सवाल पर जनमत संग्रह करवाया गया था, जिसमें फ़ैसला यूरोपीय संघ से अलग होने का आया।

2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ सकती हैं यह हिंदू सांसद

वॉशिंगटन: अमेरिका की पहली हिंदू सांसद तुलसी गबार्ड ने कहा कि वह 2020 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं. अमेरिकी संसद में चार कार्यकाल से हवाई का प्रतिनिधित्व कर रही डेमोक्रेटिक सांसद गबार्ड ने पहली बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने कस संकेत दिया है. गबार्ड ने बुधवार को राष्ट्रपति चुनाव में उतरने से संबंधित एक सवाल के जवाब में एमएसएनबीसी न्यूज को बताया, ''मैं इस पर गंभीरता से विचार कर रही हूं.'' उन्होंने कहा, ''मैं अपने देश की स्थिति को लेकर चिंतित हूं. मैं इसके लिए बहुत गंभीरता से विचार कर रही हूँ.'' तुलसी गबार्ड अगर राष्ट्रपति चुनाव में उतरने की घोषणा करती हैं तो वह अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने वाली पहली हिंदू उम्मीदवार होंगी. 2020 में चुने जाने पर वह अमेरिका की सबसे युवा और पहली महिला राष्ट्रपति बन सकती हैं. नवंबर 2020 में होने वाले चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती देने से पहले, उन्हें उस साल की शुरुआत में प्रारंभिक चुनाव में अपने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के खिलाफ लड़ना होगा. पिछले कुछ हफ्तों से, इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया जानने के लिए गबार्ड अपनी पार्टी के नेताओं से बात कर रही हैं और भारतीय मूल के अमेरिकी लोगों से संपर्क कर रही हैं.

पाकिस्तान को चीन का कर्ज चुकाने के लिए नहीं दी जाए आईएमएफ से मदद

वाशिंगटन (एजेंसी)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार यह सुनिश्चित करने की हर कोशिश कर रही है कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिलने वाली धन राशि का उपयोग चीन का कर्ज उतारने के लिए ना करे। पाकिस्तान ने आईएमएफ से आठ अरब डॉलर की वित्तीय राहत मांगी है ताकि वह अपने भुगतान संतुलन के संकट से निपट सके। मौजूदा समय में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। इस संबंध में पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच हुई बैठक बेनतीजा रही थी।

अमेरिका को लगता है कि पाकिस्तान की आर्थिक चुनौती का बड़ा कारण चीन द्वारा दिया गया ऋण है। यहां संसद की एक सुनवाई के दौरान अंतरराष्ट्रीय मामलों के कोष के उप मंत्री डेविड मालपास ने सांसदों को बताया, ''हम आईएमएफ के साथ काम कर रहे हैं और हमने उसे स्पष्ट कर दिया है कि यदि वह पाकिस्तान को कोई मदद देता भी है तो यह तय करे कि इसका उपयोग चीन के ऋण के भुगतान के लिए नहीं होगा।''

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी सांसदों को डर है कि कहीं आईएमएफ से मिलने वाली वित्तीय मदद से पाकिस्तान अपने ऊपर बकाया चीन के ऋण का भुगतान ना करने लगे। मालपास ने कहा कि अमेरिका यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि पाकिस्तान अपने आर्थिक कार्यक्रम को बदले ताकि वह भविष्य में फिर से बर्बाद ना हो।

किम जोंग उन के इस महीने सियोल आने की संभावना नहीं : अधिकारी

सियोल (एजेंसी)।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की के इस महीने सियोल आने की फिलहाल कोई संभावना नहीं है। दक्षिण कोरिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्योंगयांग में सितंबर में हुये शिखर सम्मेलन के बाद किम और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे इन ने 'निकट भविष्य में' किम की सियोल यात्रा पर सहमति व्यक्त की थी।

मून ने बाद में कहा था कि किम 'इसी साल' सियोल आएंगे। पिछले दो हफ्तों से दक्षिण कोरिया की मीडिया का ध्यान किम की संभावित यात्रा पर केंद्रित रहा है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय 'ब्लू हाउस' ने गुरुवार को यहां के वरिष्ठ सलाकार यून यंग-चान के

हवाले से स्थानीय पत्रकारों को एक लिखित संदेश में कहा गया कि इस साल किम की यात्रा 'मुश्किल' थी। यून ने कहा कि किम की यात्रा अगले साल की शुरूआत में संभव हो सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व अटार्नी को कोर्ट ने सुनाई तीन साल कैद की सजा

न्यूयार्क। (एजेंसी)।

डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व अटॉर्नी माइकल कोहेन को चुनाव अभियान के दौरान चंदे का दुरुपयोग करने समेत विभिन्न अपराधों में बुधवार को तीन साल कैद की सजा सुनायी गयी। कोहेन पर उन दो महिलाओं को मामले को रफा दफा करने के लिए पैसे देने का भी आरोप है जिनसे अमेरिकी राष्ट्रपति के संबंध थे।

अदालत में कोहेन ने कहा ''अपने निजी बर्तावों और अमेरिका के राष्ट्रपति से जुड़े बर्तावों के संबंध के बारे में मैंने जो कुछ अपना अपराध कबूला है, मैं उन सभी की जिम्मेदारी लेता हूं।'' कोहेन (52) को न्यूयार्क के सदर्न डिस्ट्रिक के डिस्ट्रिक कोर्ट ने 36 महीने कैद की सजा सुनायी।

अमेरिकी डिस्ट्रिक न्यायाधीश विलियम पौले ने कोहेन को विशेष वकील रॉबर्ट म्यूलर के आरोप के संदर्भ में भी दो महीने की अतिरिक्त सजा सुनायी। म्यूलर 2016 के चुनाव में रूस के दखल की जांच कर रहे हैं। कोहेन को छह मार्च को आत्मसमर्पण करने को कहा गया है।

अमेरिकी सीनेटरों ने चीन की जासूसी गतिविधियों पर चिंता जताई

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

वाशिंगटन। अमेरिका में चीन की बढती जासूसी गतिविधियों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए देश के शीर्ष सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन से कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रही इस समस्या से निपटे। चीन की जासूसी गतिविधियों पर संसदीय सुनवाई के दौरान सीनेटर टेड क्रूज ने कहा, ''मुझे इससे बहुत चिंता हो रही है कि चीन की पहुंच अमेरिका की गोपनीय सूचनाओं तक हो रही है। वह गैर-परंपरागत तरीकों का प्रयोग कर हमारे सभी सहयोगियों के खिलाफ जासूसी कर रहा है।'' सीनेट की न्यायिक समिति की सुनवाई के दौरान क्रूज ने कहा कि उन्होंने चीन की जासूसी गतिविधियों से उत्पन्न चुनौतियों का सामना कर रहे टेक्सास के बड़े अनुसंधान संस्थान के नेतृत्व से

इस संबंध में कई बार चर्चा की है।

उन्होंने कहा कि खास तौर से चीन के ऐसे नागरिक जिन्हें चीनी सरकार धन देती है और वह संस्थान में महत्वपूर्ण तथा संवेदनशील अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। अचानक हमें एहसास होता है कि हमारा काम अभी बीच में ही है, लेकिन तभी चीन ने उसे पेटेंट कराने के लिए आवेदन दे दिया है वह अमेरिकी कार्यों को अपने नाम पर पेटेंट करा रहा है।

समिति के समक्ष उपस्थित सरकारी अधिकारियों से क्रूज ने पूछा, ''यह समस्या कितनी बड़ी है, औद्योगिक जासूसी का क्या खतरा है... ऐसे चीनी नागरिकों द्वारा बौद्धिक संपदा की चोरी जो यहां अमेरिका में काम करते हैं। हम इस संबंध में क्या करने वाले हैं। हमें इस बारे में क्या करना चाहिए?''।

सीनेटर चक ग्रेस्ले का मानना है कि पूरी दुनिया में हो रही बौद्धिक संपदा की चोरी में 50 से 80 प्रतिशत के लिए चीन जिम्मेदार है। साथ ही अमेरिका में इंटरनेट के माध्यम से होने वाली 90 प्रतिशत आर्थिक जासूसी के लिए भी चीन ही जिम्मेदार है।

म्यांमार : 147 साल पुराना मां काली का वह मंदिर, जहां राष्ट्रपति कोविंद दर्शन के लिए गए

हिन्दू श्रद्धालुओं के बीच लोकप्रिय श्री काली मंदिर का निर्माण 1871 में तमिल आव्रजकों ने कराया था

यंगून (एजेंसी)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने म्यामांर में गुरुवार को माता काली के मंदिर में दर्शन किए. मां काली के इस मंदिर की देखभाल भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आकर म्यामांर में बसे लोगों का एक न्यास करता है. भारत की 'एक्ट ईस्ट' और 'पड़ोसी' पहले की नीतियों के तहत म्यामांर के साथ उच्चस्तरीय द्विपक्षीय संबंधों को जारी रखने के लिहाज से कोविंद देश की आधिकारिक यात्रा पर हैं.

हिन्दू श्रद्धालुओं के बीच लोकप्रिय श्री काली मंदिर का निर्माण 1871 में तमिल आव्रजकों ने कराया था. यह अपने रंगीन दीवारों के लिए प्रसिद्ध है. इसकी कलाकृतियां बहुत सुन्दर हैं और हिन्दू मिथकों की तमाम कथाएं इस पर उकेरी हुई हैं. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने मंदिर में दर्शन/पूजा करते हुए राष्ट्रपति कोविंद की एक तस्वीर ट्वीट की है. उन्होंने लिखा है, 'राष्ट्रपति कोविंद और प्रथम महिला (सविता) ने म्यामांर के यंगून स्थित श्री काली मंदिर में दर्शन किए. इस मंदिर की देखभाल भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आकर म्यामांर में बसे लोगों का एक न्यास करता है.'

इसी तरह एक अन्य ट्वीट में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि राष्ट्रपति कोविंद मुगल वंश के आखिरी शासक बहादुर शाह जफर के मकबरे पर भी गए. वहां उन्होंने चादर चढ़ाई.

निवेश का न्योता

इससे पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को म्यामांर में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उन्हें भारत में निवेश का न्योता दिया. उन्होंने कहा कि देश में कारोबार, सामाजिक उपक्रम और सांस्कृतिक संपर्कों के लिये काफी अवसर हैं. उन्होंने कहा कि भारत इस समय बड़े बदलाव की दहलीज पर खड़ा है.

राष्ट्रपति ने यहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं आपके लिये भारत में रह रहे 1.3 अरब लोगों की शुभकामनाएं लेकर आया हूं.'' उन्होंने कहा कि म्यामांर आकर्षक लेकिन चुनौतीपूर्ण रास्ते पर आगे बढ़ रहा है. कोविंद ने कहा, ''मैं यहां म्यामांर को आश्वस्त करने के लिये आया हूं कि भारत बेहतर भविष्य के लिये आपकी आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद के लिये हमेशा तैयार है.''

भारत में अवसरों का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश में व्यापार, सामाजिक उपक्रम और सांस्कृतिक संपर्कों के लिये पर्याप्त मौके हैं. उन्होंने कहा, ''मैं आप सभी को इस यात्रा से जुड़ने और इस भागीदारी को अधिक सार्थक बनाने के लिये आमंत्रित करता हूं.''

कोविंद ने कहा, ''हमारे पूर्वोत्तर के इलाकों और म्यामांर के उत्तर पश्चिमी क्षेत्रों में काफी अधिक सांस्कृतिक, भाषाई और पारंपरिक समानताएं हैं ये क्षेत्र वृद्धि, समृद्धि और सुरक्षा के हमारे द्विपक्षीय दृष्टिकोण के केंद्र में हैं.'' उन्होंने कहा, ''म्यामांर की मेरी पहली यात्रा है. यह तीर्थयात्रा और घर आने जैसा है. इस देश में हजारों वर्ष की गौरवान्वित करने वाली बौद्ध परंपरा और विचार है....''

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की तरह म्यामांर भी एक विविधतापूर्ण देश है जहां विभिन्न जाति, संप्रदाय के लोग रहते हैं. उन्होंने कहा, ''म्यामांर लोकतंत्र, शांति और आर्थिक विकास के मोर्चे पर एक साथ व्यापक बदलाव के दौर से गुजर रहा है. स्टेट काउंसलर आंग सान सू ची के साहसिक नेतृत्व में म्यामांर की सफलता इस देश के साथ-साथ दक्षिण एशिया और आसियान परिवार के लिये भी महत्वपूर्ण है.''

यदि पाकिस्तान ने सही जवाब नहीं दिया तो सख्त कदम उठाने पड़ेंगे

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के एक शीर्ष थिंक टैंक ने कहा कि अगर अफगानिस्तान में शांति लाने के प्रयासों में पाकिस्तान ने सकारात्मक रूप से प्रतिक्रिया नहीं दी तो अमेरिका तथा उसके साझेदारों को उसके खिलाफ सख्त रणनीति पर विचार करना होगा. थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा, ''अगर पाकिस्तान सकारात्मक भूमिका नहीं निभाएगा तो अमेरिका और उसके साझेदारों को सख्त रणनीति पर विचार करना चाहिए.''

इस थिंक टैंक में प्रतिष्ठित अमेरिकी जनरल (सेवानिवृत्त) डेविड पेट्रियस, सीआईए के पूर्व निदेशक और अफगानिस्तान में अमेरिका के पूर्व राजदूत जेम्स कनिंघम और अमेरिका में पाकिस्तान के पूर्व राजदूत हुसैन हक्कानी शामिल हैं. इस रिपोर्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अगस्त 2017 में घोषित की गई दक्षिण एशिया रणनीति के एक साल के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई है. रिपोर्ट में कहा गया है, ''पाकिस्तान के साथ चर्चा में देरी नहीं होनी चाहिए. खासतौर से हाल ही में नेतृत्व में हुए बदलाव और अफगानिस्तान समेत पाकिस्तान की क्षेत्रीय नीतियों में सेना के प्रभाव को देखते हुए.''

रिपोर्ट में कहा गया है, ''हालांकि पाकिस्तान आतंकवाद से काफी पीड़ित रहा है और उसने अंदरूनी तौर पर आतंकवाद से लड़ने में काफी कुछ गंवाया है लेकिन देश की सीमा के भीतर तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करने तथा अमेरिका का साथ देने के लिए उसे राजी करने की कोशिशों का कोई नतीजा नहीं निकला है.'' अफगानिस्तान ने भारत को लेकर पाकिस्तान के डर को कम करने की कोशिश की है. उसने समझाया है कि भारत और पाकिस्तान के साथ उसके संबंध संतुलित हैं तथा भारत को अफगानिस्तान के जरिए पाकिस्तान और उसके लोगों को नुकसान पहुंचाने की इजाजत नहीं दी जाएगी. रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत, अफगानिस्तान में सकारात्मक भूमिका निभा रहा है और विकास, प्रशिक्षण, व्यापार तथा लोकतंत्र और चुनावों में पाकिस्तान की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाए बिना अपना सहयोग बढ़ा सकता है ताकि अफगानिस्तान की स्थिति मजबूत हो.

योगी चौक के निकट मोबाईल की छिनौती

सूरत। शहर के कापोद्रा क्षेत्र स्थित योगी चौक के निकट पोपड़ा से एक युवक के हाथ से 14 हजार रुपये कीमत का मोबाईल छीनकर बाईक सवार फरार हो गए। घटना की शिकायत कापोद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार कापोद्रा के योगी चौक के निकट ठाकोर द्वार सोसायटी में रहने वाले रामजीभाई रमाणी बुधवार की रात पौने 10 बजे कापोद्रा के योगी चौक के पापड़ा से बीआरटीएस रोड़ की तरफ जा रहे थे। तभी पीछे से मोटर सायकिल पर आ रहे दो अज्ञात छपटमारों ने उनके हाथ से 14,000 रुपये का मोबाईल फोन छीन कर फरार हो गए। कापोद्रा पुलिस ने मोबाईल छिनौती का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरु कर दी है। पुलिस घटना स्थल के आस-पास की दुकानों में लगे सी.सी. टीवी फूटेज की जांच कर रही है। पुलिस ने घनटा स्थल का निरीक्षण कर विवेचना शुरु कर दी है। छिनौती की बढ़ती घटना का ध्यान में रखते हुए पुलिस ने वाहन चेकींग का काबिग आपरेशन शुरु कर वाहनों की जींच शुरु कर दी है.

मोरा भागल दांडी रोड़ नहर में अज्ञात व्यक्ति ने लगाई छलांग

सूरत। गुरुवार की सुबह मोराभागल से डांडी की तरफ जा रही सड़क पर गंगानगर के निकट नहर में एक अज्ञात व्यकित न छलांग लगा दी। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड़ की टीम मौके पर पहुंच कर व्यक्ति की छानबीन करने लगी। फायर ब्रिगेड़ सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह डांडी रोड़ पर मोरा भागल के निकट गंगानगर से गुजर रही नहर में छलांग लगा दयिा। यह सूचना मनपा के विजलेंस विभाग के एक ड्राईवर द्वारा फायर ब्रिगेड़ को दी गई। सूत्रों का कहना है कि 51 वर्षीय किसान चन्दुभाई दलपतभाई पटेल गत रात घर से कही गायब हो गए थे। फायर ब्रिगेड़ के कर्मचारी इसी आशंका में नहर में डुबकी लगा रहे है कि छलांग लगाने वाला व्यक्ति शायद चन्दुभाई हो सकते है। गुरुवार को फायर ब्रिगेड़ को इन मामले में दोपहर तक कोई लाभ नहीं मिला। देर शाम तक फायर की टीम खोजबीन करती रही परन्तु कोई सफलता नहीं मिली।

युवती का फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर अश्लील फोटो अपलोड किया

सूरत। पुणागांव की एक युवती के नाम से फर्जी फेस बुक आईडी बनाकर उसपर अश्लील फोटों अपलोड कर चरित्र हनन करने का मामला प्रकाश में आया है।

पूणा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार किसी अज्ञात व्यक्ति ने पूणा गांव क्षेत्र की एक युवती के नाम से बोगस फेसबुक आईडी बनाकर अश्लील फोटों अपलोड़ कर विभत्स कमेंट अपलोड कर बदनाम करने की शिकात दर्ज कराई गई है। इस प्रकार के भद्दे तथा गंदी कमेंट से युवती के चरित्र पर कीचड़ उछाला जा रहा है। जिससे वह मानसिक रुप से काफी परेशान है। पुलिस ने साईबर क्राइम का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है। गौरतलब है कि इन दिनों युवाओं में सोसल मीड़िया का काफी क्रेज बढा है। सोसल मीडिया के माध्यम से कुछ असामाजिक तत्व अपने सम्पर्क में आने वाले युवक युवतियों को ब्लेक मेल कर उनसे धन उगाही करने लगे है। कुछ भोली भाली युवतियां इन तत्वों की चुंगल में जाने अनजाने में फंस जाती है। जिसका ये नाजायज फायदा उठाते है।

भवानीवाड़, धोबीशेरी से दारू भरी आटो रिक्शा मिली

सूरत। महिधरपुरा पुलिस को गुरूवार को धोबीशेरी भवानीवाड़ से दारू भरी आटो रिक्शा जप्त की।

महिधरपुरा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि भवानीवाड़ धोबीशेरी के नाके पर खड़ी रिक्शा नं. जीजे-05 टीटी 6109 में दारू भरी है। मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दारू भरे आटो रिक्शा को दारू समेत जप्त कर लिया। रिक्शा में 30,500 कीमत का देशी दारू भरा था। पुलिस ने रिक्शा तथा दारू मिलाकर के 60,500 रुपये कीमत का मुद्दा माल जप्त कर लिया। महिधरपुरा पुलिस ने धनसुखभाई जेठाभाई राणा, अब्दुल रज्जाक गुलाम को गैर कानूनी तरीके से दारू की हेराफेरी के मामले में गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

कामरेज में दो घरों के तुटे ताले

कामरेज हरिदर्शन सोसायटी तथा शेखपुरा गांव में चोरों ने बंद मकानों का लाता तोड़ कर सोन चांदी का गहना सहित 1.89 लाख का मुद्दा माल लेकर फरार हो गए। कामरेज पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार मूल अमरेली जिला के वतनी तथा वर्तमान में हरि दर्शन सोसायटी के मकान नं. 298 में रहने वाले विदेशी बिनूभाई गामीत अपना घर बंद कर बाहर गए थे इसी बीच रात्रि के समय चोरों ने घर के ताला तोड़कर घर में रखे सोने चांदी के गहने सहित नकदी लेकर फरार हो गए। इसी प्रकार शेखपुरा गाम के मकान नं. 226 का ताला तोड़कर घर की अलमारी में रखे सोने चांदी के गहने तथा नगदी लेकर फरार हो गए। इन दोनों मकानों में चोरो ने कुल 1.89 लाख रुपये की चोरी की है। पुलिस ने इन दोनों मामलों में ताला तोडकर चोरी की धारा लगाकर चोरों की छानबीन शुरु कर दी है।

वराछा से 1.38 लाख का वायर चोरी

सूरत। वराछा क्षेत्र स्थित न्यू बाम्बे मार्केट के सामने ग्लोबल मार्केट की साईट से 1.38 लाख रुपये कीमत का वायर चोरी होने की घटना सामने आई है।

वराछा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार न्यू बाम्बे मार्केट के सामने ग्लोबल मार्केट की लाईट से अज्ञात चोर फिनोलेक्स कम्पनी का 6,000 मीटर वायर चुरा ले गए। इस घटना की जानकारी पुष्कर भाई अशोकभाई अधिकारी ने वराछा पुलिस को दी। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरु कर दी है।

3.25 लाख के गहने लेकर कारीगर फरार

सूरत। सोने चांदी के गहने फिनिंश करने के लिए 3.25 रुये कीमत का गहना कारीगर लेकर फरार हो गया। जिसकी शिकायत लालगेट पुलिस में दर्ज कराई गई है।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। लालगेट पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार राणीतलाब, भावनगरी मुहल्ला में रहने वाले सोनी मतीजुल अख्तर मलिक ने आरोपी सोमनाथ देबू मुखर्जी ने 3.25 लाख रुपये का गहना फिनिशिंग के दिया था। जिसे आरोपी लेकर फरार हो गया। लालगेट पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरु कर दी है।

पशु पार्टी पर हमले के मामले में पशुपालकों के विरूद्ध ५८१ FIR

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट के सख्त आदेश को लेकर अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के शासकों ने शहर में आवारा पशुओं को पकड़ने की समस्या का समाधान करने के लिए प्रभावी कदम उठाये जा रहे है लेकिन दूसरी तरफ, पशुओं को पकड़ने के काम से नाराज होते पशुपालकों द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्र में एएमसी की पशु पार्टी पर और इसके कर्मचारियों को निशाना बनाया जाता है। विशेष करके शहर के पूर्व के क्षेत्र में एएमसी की पशु पार्टी पर हमले का खतरा बढ़ गया है यह जानकारी सामने आई है। इस बात की बात करे तो एएमसी की पशु पार्टी पर हमला और विवाद को लेकर पशुपालकों के विरूद्ध ५८१ एफआईआर दर्ज की गई है। गत शनिवार को ही वासणा पुलिस स्टेशन के पीछे रोड पर आवारा पशुओं को पकड़ने गई पशु पार्टी पर स्थानीय निवासी और आसपास के पशुपालकों ने एक साथ मिलकर हमला किया और गायों को भगाकर ले गये।

6 जनवरी को हने वाले लोक रक्षक दल की परीक्षा का केन्द्र वहीं रहेगा

सूरत। लोकरक्षक दल भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद यह परीक्षा पुन: 6 जनवरी को ली जाएगी जिसमें परीक्षार्थियों के परीक्षा केंद्र में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

लोक रक्षक भर्ती बोर्ड के महानिर्देशक विकास सहाय ने इस परीक्षा की तारीख 6 जनवरी निश्चित की है। विदित हो कि यह परीक्षा 2 दिसम्बर को ली जानी थी जिसे पेपर लीक हो जाने की जानकारी मिलने के बाद रद्द कर दिया गया। इस बार परीक्षा में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो तथा परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र तक पहुचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो इस बात को ध्यान में रखकर परीक्षा केन्द्र में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। साथ ही परीक्षा देने आने वाले विद्यर्थियों को एस.टी. बस में आने जाने पर कीराया न लेने का निश्चय किया गया है।

सूरत एयरपोर्ट से नवंबर में 1.33 लाख से अधिक यात्रियों ने किया हवाई सफर

सूरत। सूरत एयरपोर्ट पर पैसेंजर नही मिलने का कराण बताकर कई विमान कंपनिया यहां से विमानि सेवा शुरु करने में कतराती है लेकिन उन्हें यह जानकार आश्चर्य होगा कि नवंबर में सूरत एयरपोर्ट से 1.33 लाख से अधिक यात्रियों ने हवाई सफर किया।

कुछ वर्षों पहले सूरत एयरपोर्ट से सिर्फ दिल्ली और मुंबई के लिए फ्लाइट होती थी, लेकिन व्यापारियों संगठनों, सामाजिक संस्थाओं तथा सांसदों की मांग को ध्यान में रखते हुए अब सूरत से दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद,बैंगलूरु, जैसलमेर, वाराणसी सहित कई शहरों के लिए कनेक्टिविटी मिल र है ह। फिलहाल सूरत से प्रतिदिन 24 विमान उड़ते है। इसके पहले अक्टूबर में 107547 यात्रियों ने यात्रा की थी। सूरत एयरपोर्ट एक्सन कमेटी के संजय इजावा और वी वर्क फोर वर्किंग एयरपोर्ट कमेटी के संजय जैन ने कहा कि नवंबर में सूरत एयरपोर्ट से 1,33,504 यात्रियों ने यात्रा की। नवंबर मे दिवाली के कारण कई लोग सूरत के बाहर देश-विदेश में यात्रा के लिए गए। इसलिए यात्रियों की संख्या बढ़ी है। पिछले तीन महीने से यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

थाइलेन्ड सरकार की और से मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स के इन्टरनेशनल ट्रेड प्रमोशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर सुपात्रा स्वाएन्ग श्री और उनका प्रतिनिधिमंडल बुधवार को सूरत दौरे पर था। उन्होंने जैम्स एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के रीजनल चैयरमैन दिनेश नावडिया से मुलाकात की। नावाड़ाय ने उनसे सूरत के हीरा उद्योग की जानकारी साझी की और थाइलेनड की काउन्सिल की और से डायमंड स्टडेड ज्वैलरी के आर्डर सीधे सूरत के उद्मियों को मिले, सिल्वर ज्वैलरी के क्षेत्र में टैक्नोलाजी कोलोबरेशन, इंडिया डायमंड इन्स्ट्टुट और थाइलेंड जेमोलोजिकल लेबोरेटरी के बीच ग्रेडिंग और सर्टिफिकेशन के लिए कोलोबारेशन का आग्रह किया। सुपात्रा ने दिनेश नावाड़िया को फरवरी से सितंबर महीने के दौरान होने वाले बैंकाक ज्वैलरी शो की जानकारी दी और वहां भाग लेने वाले काउसिंल के सदस्यों को दी जानेवाली छुट की जानकारी दी।

सूरत। सूरत महानगर पालिका आरोग्य विभाग द्वारा स्वच्छता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सुखा और गिला कचरा अलग-अलग डस्टबीन में रखने के रिंग रोड़ पर जनजागृति अभियान के तरह सामजिक कलाकारों द्वारा एक प्रस्तुति दी गई।

५७,७५३ किसानो के पास से मुंगफली की खरीदी हुई

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने किसानो को बड़ी राहत देने के इरादे से उनके पास से समर्थन मुल्य पर मुंगफली खरीदने का निर्णय किया है। जिसके तहत १५ नवम्बर लेकर १३ दिसम्बर-२०१८ तक राज्य में कुल ५७,४५३ किसानो के पास से गुजरात सरकार ने अब तक समर्थन मुल्य पर ५७५.९७ करोड़ की कीमत की ११,५१,९४८ क्वीन्टल मुंगफली खरीदी है। राज्य के अधिकारियों ने बताया है कि सरकार की और से खरीफ सीजन २०१८-१९ के लिए न्युनत्तम समर्थन मुल्य से मुंगफली की खरीदी के लिए १५ नवम्बर-२०१८ से खरीदारी शुरु की गई थी। मुंगफली खरीदी के केन्द्र के रुप में घोषित किए गए राज्य के कुल १२२ एपीएमसी सेन्टर पर संबंधित जिल्ला कलेक्टरो की और से १ नवम्बर २०१८ से समर्थन मुल्य पर किसानो के पास से मुंगफली खरीदने के लिए किसानो की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शरु की गई थी। यह रजिस्ट्रेशन के अनुसार सरकार के नियम अनुसार हर रोज २५०० किलोग्राम की मर्यादा की लाने के लिए किसानो को एपीएमसी की और जानकारी दी गई थी।

दहेगाम में रहते कमलेश चावडा गिरफ्तार

किस स्थिति में हमला हुआ यह जांच का विषय

छह किलो गांजे के जत्थे के साथ आरोपी को गिरफ्तार

गांजा का जत्था सूरत से लाये होने की आरोपी का स्वीकार :पुलिस ने पूरे नेटवर्क की आगे जांच शुरू की

अहमदाबाद । गांधीनगर एसओजी के अधिकारियों ने गुरुवार को एक आरोपी को छह किलो गांजे के जत्थे के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया गया । इस घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । पुलिस द्वारा जब्त किए गए गांजे की यह कीमत दो लाख रुपये से करीब हो सकती है । गांधीनगर एसओजी ने गिरफ्तार किया आरोपी कमलेश चावडा के विरूद्ध अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी ।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, गांधीनगर एसओजी के अधिकारियों को निश्चित जानकारी मिली थी कि, जिसके आधार पर पुलिस ने निगरानी रखकर दहेगाम के निवासी कमलेश चावडा को रोककर इसकी जांच करने से इसके पास से छह किलो गांजा का जत्था मिला । पुलिस ने गांजा का इतना बड़ा जत्था कहां से लाया इसकी जांच करने पर आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने गांजा का यह जत्था सूरत से मंगवाया था और यह सूरत से लाया था । पुलिस ने आरोपी के कबूल करने पर गांजा का जत्था सहित के सबूत जमा करके इसके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की धाराएं के तहत जरूरी अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी । पुलिस ने गांजा की तस्करी के नेटवर्क में आरोपी के साथ कौन-कौन शामिल है, सूरत में यह किसके पास से यह गांजा का जत्था लाया और अब यह किसे-किसे डिलेवरी करना था यह सभी मुद्दे पर गहन जांच शुरू कर दी है ।

भावनगर के महुवा में शेर ने मछुआरे को खाने से सनसनी

मछुआरे पर हमला करके मारकर खाने की घटना से सनसनी : सामान्य रूप से शेर लोगों पर हमला नहीं करता

अहमदाबाद । कुछ समय पहले ही सासन गीर के देवलीया सफारी पार्क में दो शेरों द्वारा हमला करने से एक कर्मचारी की मौत हुई थी और गीर में एक शेरनी को पाने की हौड़ में नाराज शेर ने किसानों का तीन किलोमीटर पीछा किया था वहां गुरुवार को शेर द्वारा व्यक्ति पर हमले की और एक घटना सामने आई है । भावनगर के महुवा में पिंगलेश्वर के निकट एक शेर ने स्थानीय मछुआरे पर हमला करके खा लेने की घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । शेर के हमला और मछुआरे को मारकर खाने की घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों और निवासियों में दहशत फैल गई । इस घटना को लेकर वन विभाग के अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है ।

विशेष करके शेर ने किस परिस्थिति में मछुआरे को हमले का शिकार बनाया यह मामले में जांच शुरू कर दी है । क्योंकि, समान्य रूप से शेर लोगों पर हमला नहीं करता है । यदि उसे परेशान किया जाए तो हमला करता है । लेकिन अधिकतर मामलों में शेर हमला करके व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा घायल करके फरार हो जाता है लेकिन बहुत कम मामलों में यह लोगों को खाता है । इसी वजह से इस केस में किस परिस्थिति में शेर ने हमला किया इसकी जांच वन विभाग कर रहे है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, भावनगर के महुवा में पिंगलेश्वर के निकट एक शेर ने स्थानीय मछुआरा ३७ वर्षीय रामभाई चूडासमा मछली पकड़ने के लिए जा रहे थे तब अचानक एक शेर ने उन पर हमला कर दिया और गंभीर रूप से घायल कर दिया था । गुरुवार को सुबह में उनका शव मिलने से स्थानीय निवासियों ने वन विभाग के अधिकारियों और पुलिस को जानकारी दे दी । जिसकी वजह से प्रशासन के अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गये और आगे की जांच शुरू कर दी है । यह घटना रात को दो बजे के करीब हुई हो ऐसा माना जा रहा है । पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों ने अब स्थानीय निवासियों के बयान और पूछताछ करके आगे की जांच शुरू कर दी है । हालांकि इस घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)